J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

NEWS CLIPPING:30.08.2023

PUNJAB KESARI

जेसी बोस विश्वविद्यालय में मनाया गया 'उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन'

शिक्षा, शिक्षक और शैक्षणिक संस्थान से ही आएगा बदलाव: कुलपति प्रो. तोमर

फरीदाबाद, 29 अगस्त (पूजा): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा विश्व उद्यमिता दिवस के उपलक्ष्य में स्वावलंबी भारत अभियान के तहत 'उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन' का आयोजन किया गया।

सम्मेलन में स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय संगठक कश्मीरी लाल मुख्य वक्ता रहे। सम्मेलन में स्वावलंबी भारत अभियान, फरीदाबाद के संरक्षक पंकज हंस तथा गंगाशंकर मिश्र विशिष्ट अतिथि रहे। सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने की। कार्यक्रम का आयोजन डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. मनीश वशिष्ठ की देखरेख में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। कार्यक्रम के

मुख्य वक्ता तथा स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय संगठक कश्मीरी लाल ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को इनोवेशन अपनाने के लिए प्रेरित किया। टैक सिक्योरिटी के संस्थापक एवं प्रख्यात एथिकल हैकर त्रिशनीत अरोड़ा, भारत की साइबर सिक्योरिटी सॉल्युशंस प्रोवाइडर क्विक हील के चेयरमैन कैलाश काटकर, जोहो कंपनी के संस्थापक श्रीधर वेम्बू, बोस कार्पोरेशन के संस्थापक अमर गोपाल जैसे सफल उद्यमियों के अनेकों उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि इनोवेशन के लिए डिग्री जरूरी नहीं है, बल्कि आपकी सोच इनोवेटिव होनी चाहिए। देश के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकी के महत्व का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देश में आज चन्द्रयान-3 की बात हो रही है, जोकि स्वदेशी प्रौद्योगिकी का एक अद्भूत उदाहरण है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. एस.के. तोमर ने विश्व उद्यमी दिवस पर छात्रों और उद्यमियों को बधाई दी और राष्ट्रव्यापी स्वावलम्बी भारत अभियान के माध्यम से स्वदेश जागरण मंच द्वारा की जा रही पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि युवाओं को केवल अपने रोजगार तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें दूसरों के लिए रोजगार पैदा करने की दिशा में काम करना चाहिए और देश के आर्थिक विकास में योगदान देना चाहिए।

प्रो. तोमर ने छात्रों को उद्यमिता के लिए प्रेरित किया और उनसे हरित प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्रों पर काम करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि समाज में बदलाव शिक्षा, शिक्षक और शैक्षणिक संस्थान ही ला सकते है।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

NEWS CLIPPING:30.08.2023

NAVBHARAT TIMES

स्केचिंग के गुर सिखाए

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : जेसी बोस यूनिवर्सिटी के संचार व मीडिया तकनीकी विभाग ने छात्रों को स्केचिंग की जानकारी देने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया। बीएससी विजुअल कम्युनिकेशन व मल्टीमीडिया के छात्रों के लिए यह कार्यशाला यूनिवर्सिटी के महर्षि नारद स्टूडियो में आयोजित की गई। आर्टिस्ट गौरव ने छात्रों स्केचिंग के गुर सिखाए। विभाग के अध्यक्ष डॉ.पवन सिंह ने उनका स्वागत किया। इस मौके पर सहायक प्रोफेसर डॉ.सोनिया हुड्डा आदि मौजूद रहे।

NEWS CLIPPING:30.08.2023

AMAR UJALA

चन्द्रयान-3 स्वदेशी प्रौद्योगिकी का एक अद्भुत उदाहरण

जेसी. बोस विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ 'उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन'

अमर उजाला ब्यूरो

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में विश्व उद्यमिता दिवस पर उद्यमी अमर गोपाल ने कहा कि स्वदेशी प्रौद्योगिकी के महत्व पर चन्द्रयान-3 की हर तरफ चर्चा हो रही है।

इससे पहले भी भारत अपनी स्वदेशी प्रौद्योगिकी से दुनिया को आश्चर्य चकित कर चुका है, जिसमें स्वदेशी तकनीक से विकसित सुपर कंप्यूटर और इसरो का पीएसएलवी रॉकेट भी शामिल है।

जेसी बोस में 'उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन' में स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय संगठक कश्मीरी लाल मुख्य वक्ता रहे। सम्मेलन में स्वावलंबी भारत अभियान के संरक्षक पंकज हंस और गंगाशंकर मिश्र विशिष्ट अतिथि रहे। सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने की।

स्केचिंग की तकनीकों को लेकर कार्यशाला। स्रोत: विवि

कश्मीरी लाल ने विद्यार्थियों को इनोवेशन अपनाने के लिए प्रेरित किया। टैक सिक्योरिटी के संस्थापक त्रिशनीत अरोड़ा, क्विक हील के चेयरमैन कैलाश काटकर, जोहो कंपनी के संस्थापक श्रीधर वेम्बू, बोस कार्पोरेशन के संस्थापक अमर गोपाल जैसे सफल उद्यमियों के अनेकों उदाहरण देते हुए कहा कि इनोवेशन के लिए डिग्री जरूरी नहीं है, बल्कि आपकी सोच इनोवेटिव होनी चाहिए। अमर गोपाल ने कहा कि देश के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकी के महत्व पर देश में चन्द्रयान-3 की बात हो रही है, जोकि स्वदेशी प्रौद्योगिकी का एक अद्भुत उदाहरण है। इससे पहले भी भारत अपनी स्वदेशी प्रौद्योगिकी से दुनिया को आश्चर्य चकित कर चुका है।

NEWS CLIPPING:30.08.2023

PIONEER

बीएससी विजुअल कम्युनिकेशन के छात्रों ने सीखे स्केचिंग के गुर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जेमी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया तकनीकि विभाग द्वारा बीएससी विजुअल कम्युनिकेशन और मल्टीमीडिया के विद्यार्थियों को व्यवहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए महर्षि नारद स्टूडियो में स्केचिंग के विभिन्न रूपों के विषय पर एक विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में मुख्य वक्ता आर्टिस्ट गौरव रहे। कार्यशाला से पहले विभागाध्यक्ष डॉ. पवन सिंह ने आर्टिस्ट गौरव को उनके स्वागत में एक पौधा भेंट किया। विभागाध्यक्ष डॉ. पवन सिंह ने अपने स्वागत संबोधन के दौरान सृजन के महत्व और कलाकृति के निर्माण के लिए तकनीकी उपकरणों के उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आधुनिक दौर तकनीकी का है, ऐसे में विद्यार्थियों को न सिर्फ थ्योरी पढ़नी चाहिए, बल्कि प्रैक्टिकल भी करवाना चाहिए, जिससे विद्यार्थियों के हाथों को हुनर मिलेगा। इसी पैटर्न पर चलते हुए संचार एवं मीडिया तकनीकि विभाग समय-समय पर विद्यार्थियों के लिए विशेष कार्यशालाओं का आयोजन करता है। जिसमें विशेषज्ञ आकर विद्यार्थियों को व्यवहारिक ज्ञान से रूबरू करवाते हैं। आर्टिस्ट गौरव ने स्केचिंग के पीछे की प्रेरणा को साझा करते हुए कार्यशाला की शुरुआत की। विशेष रूप से उन्होंने 12

स्केचिंग तकनीकों को विस्तार से समझाया और कला की नैतिकता और स्केचिंग में अनुपात के महत्व पर जोर दिया। इतना ही नहीं गौरव ने खुद कई प्रकार की कलाकृति करते हुए छात्रों को भारतीय प्राचीन कला के रूपों से परिचित कराया। कार्यशाला में आगे उन्होंने अपने सभी सिद्धांतों को उदाहरणों के माध्यम से छात्रों के सामने लागू किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने भी अपनी रचनाएं बनाकर इस कार्यशाला में व्यावहारिक रूप से भाग लिया। गौरव ने छात्रों को मौलिकता और परिप्रेक्ष्य के महत्व को समझाते हुए अपनी कार्यशाला का समापन किया। यह कार्यशाला संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग डीन प्रोफेसर डॉ. पूनम सिंगल एवं विभागाध्यक्ष डॉ. पवन सिंह के मार्गदर्शन में हुई। कार्यशाला की आयोजक विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. सोनिया हुड्डा रहीं। जेमी बोस यूनिवर्सिटी, वाईएमसीए के कुलपति प्रोफेसर एसके तोमर और कुलसचिव डॉ. मेहा शर्मा ने कार्यशाला के सफल आयोजन पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा की भविष्य में भी ऐसे व्यवहारिक ज्ञान के लिए इस तरह की कार्यशालाओं का आयोजन होते रहना चाहिए, ताकि मीडिया विद्यार्थियों को प्रैक्टिकल एक्सपोजर मिलता रहे।